पूर्वोत्तर सृजन पत्रिका : विशेषज्ञों द्वारा समीक्षित अर्धवार्षिक हिंदी ई-पत्रिका
वर्ष: 1, संख्या: 1; जुलाई-दिसंबर, 2020

कबुई लोरीगीत

कचिंग्लूरेमई

भारत के उत्तरपूर्वी राज्य मणिपुर में स्थित कबुई जनजाति में भी लोरी गीत गाने की प्रथा है। कबुई भाषा में लोरी गीत को 'ना कथु लुह' कहते हैं। कबुई के लोरी गीतों में ऐसी वस्तुओं को जोड़ा गया है, जिनमें बच्चे को रुचि हो। प्रायः इन गीतों में कोई विशेष अर्थ नहीं होता, ये बहुत ही साधारण गीत होते हैं। इनके अधिकांश वाक्य एक दूसरे से जुड़े हुए नहीं होते हैं अर्थात् विश्रृंखलित लगते हैं। कबुई के कुछ प्रमुख लोरी गीत इस प्रकार हैं-

मूल 1

हाइपुई हाइपू ग्वोंग नेन लंग थे,
अचाई गुईथेनलू !
इनलूवोंग थु इनदुन,
केंगप्वान हाउ दौ क्न्थम ने.
अचाई गुईलियेनलू !
लियेनलो, लियेनलो .
अपुई चांग फांग,
अकाईना रोक कप मोन कन्नी थे,
अचाई गुईलियेनलू !

अनुवाद

हो रही बहुत देर माता-पिता को आने में,
अरे दीदी गुईलियेनलू[1] !
तोड़ने गए थे वे पहाड़ पर,
केंगप्वान[2] और केले
दीदी गुईलियेनलू !
ज़रा देखिए तो
माँ की राह देख,
अकाईना[3] रो-रो कर अपना गला खराब कर देंगे
दीदी गुईलियेनलू।

मूल 2

अपुई ले अखंग फैजाईना लुलौ ओ,
इनताई ता लुलौ ओ,
इनताई ता लुलौ मकतई,
आईना मी री लकगे
अपुई ले बांगमई ताना
इनताई ताना लुलौ ओ।

अनुवाद

हे माँ, मेरे लिए ओढ़नी दिला दो,

इनताई[4] की चूड़ी दिला दो,
यदि नहीं दिलाओगी इनताई की चूड़ी
तो नहीं करूँगी मैं कभी शादी
हे माँ, दिला दो मुझे
बान्गमई[5] और इनताई की चूड़ी।

मूल: 3

म्याऊना नंग पुई थु ला?
इनगिन कन
अनै जीप खोनी
जिप खो सान

अनुवाद

बिल्ली कहाँ गई तुम्हारी माँ?
गई हुई है दूसरी जगह
गई हुई है तुम्हारी माँ दूसरी जगह
तो सोए साथ ही हम दोनों
आओ न सो जाएँ।

मूल4

अबुंगना पुई नाई
अबुंगना वानरा सु
तान थु तानरोई मक सन निना
मैकाईताना ला दाई कमई गाई ए।

अनुवाद

अबुंगना[6] की माँ
बनाती है खिलौना अबुंगना को
भले ही अपना काम पूरा न हो
करनी चाहिए देखभाल अपने बच्चे की।

मूल 5

अपुई इनसन लू मु
तान थाई लंगना
क्काईक्कांग ना फैदक खुंग खुंग
अपुई ले अकाईना ता खैलो
इमवमलौ दु लना
इनसन क्कांगक्कांग ना
पकतत् कन्ने
कथै लाई इनजि जाउ कि
लेंग किप्वांग वंग खौतई
लेंग किप्वांग मुन ला
लाम करिरेंग ना वम खोन्ने।

अनुवाद

मेरी प्यारी माँ
करती है बहुत काम
क्कान्क्कांग की ध्वनि निकालते हुए
बुनाई कर रही है कपड़े की
हे माँ, अकाईना[7] को बुलाओ
छोड़कर अकाईना को मेरे पास
लग गई माँ फिर से अपनी बुनाई में
लेकिन भाग गया वह फिर से
उसका पीछा करते हुए जब मैंने देखा
तो वह लेंगकिप्वांग[8] के पेड़ पर

लेंगकिप्वांग के फूल लगाकर
कर रहा था नृत्य

मूल 6

म्याऊना लाईवु दांग खौ
तमसु वम खोन्ने
कसियेन थाउ तिन ति
म्याऊ म्याऊ न पक कन्ने
म्याऊना लप थुन खक खो
म्याऊना वान तिन अवान तिन
म्याऊना नुकोन अनुकोन।

अनुवाद

बिल्ली चूल्हे के पास
बैठी हुई थी
जैसे ही किसी ने उठकर झांका
भाग गई वह म्याऊँ-म्याऊँ करती हुई
हे, बिल्ली छीलती है थुन[9]
बिल्ली का नाखून मेरा नाखून
बिल्ली का कान मेरा कान।

मूल 7

अकाईना थौ रुई चो?
कराना रुई ताउपिंग पोन दोक लना
कप त्वोंग दई
आई कचाई नाई वुकि
अकाईना तिकप लक रुईने।

अनुवाद

अकाईना को किसने क्या किया ?
हाथ से ताउथिंग[10] छूटने से
अपने-आप रो रहा है
हूँ मैं उसकी दीदी
अकाईना[11] को रुलाना मत।

मूल 8

मैकाईरम पुई ग्वांग साई साई
अपुई थु लाउजांग थु वम कन
अपुई ता इनरियेंग मई रुई मुलौ तिना
दुईथोक खौ दुईलौ मई तई अपुई ई।

अनुवाद

दूसरों की माँएँ तो लौटने लगी हैं
पर मेरी माँ तो अभी भी खेत में है
मेरी माँ को भुला दिया है उसकी सहेलियों ने
जलाशय में जिसने स्नान किया था वह है
मेरी माँ।

मूल 9

अकाईना खंग
वनारिंग सिन लौ रिंओ
मुलेंगना सिन लौ ओ
अलाउ रम थाईमकना
इमवम तेन लम्मे
आई कचाई नाई वुकी
अकाईनाता तिकप लक रुइने।

अनुवाद

अकाईना के लिए
देना मत वानरिंग[12]
देना केवल पुष्पमाला ही
नासमझ है बच्ची
डाल न ले कहीं अपने मुँह में
हूँ मैं उसकी दीदी
रुलाना नहीं अकाईना को।

मूल10

जौकि जौकि रोईकुई प्वान ग्वांग
अहुई अहुई हाउज्वोंग प्वान ग्वांग
जौकिना काई न्गाई चुई पुनि दिंग ए
कपि प्वान ला अतौ खंग, अना खंग।

अनुवाद

जौकि[13] जौकि ले आया मुर्गी उठाकर
अहुई[14] अहुई ले आया उठाकर केले के गुच्छे
जौकिना के घर में होने वाला है आज बहुत बड़ा-सा उत्सव
(मुर्गी के) सर उठाकर ले आओ पोते के लिए, मेरे बच्चे के लिए।

इन लोरी गीतों से यह स्पष्ट हो जाता है कि कबुई जनजाति में भी पर्याप्त मात्रा में लोरी गीत हैं। इन गीतों को माँ अपने बच्चे को सुलाते समय गाती है। इन गीतों में बाल मनोविज्ञान एवं लोकमानस का भाव देखने को मिलता है। इन गीतों में ममता एवं वात्सल्य का मिश्रण है, लेकिन ये गीत धीरे-धीरे लुप्त होने लगे हैं। इनका संरक्षण करना हमारा कर्त्तव्य है।

संदर्भ :

1. गुईलियेनलू- युवतियों को संबोधित करने हेतु प्रयुक्त शब्द
2. केंग्प्वान- एक प्रकार की सब्ज़ी
3. छोटे भाई या छोटी बहन दोनों के लिए प्रयोग किया जाता है
4. मैतेयी जाति को कहते हैं
5. कछार प्रदेश को कहा जाता है
6. छोटे बच्चे को प्यार से संबोधित करने का शब्द
7. छोटे बच्चे के लिए प्रयोग किया जाने वाला संबोधन शब्द
8. मुलायम बाँस जो खाने योग्य होता है

9. एक प्रकार का फूल

10. पत्थर और लकड़ी

11. कठोर पदार्थ से बनी चूड़ी

12. लोमड़ी जैसा एक जानवर

13. गिलहरी जैसा एक जानवर